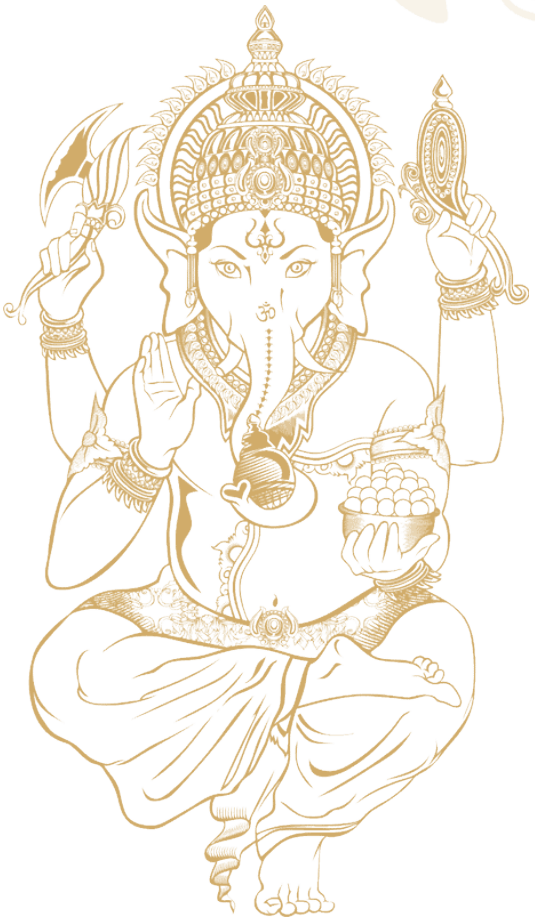

Pratibha yadav

30 Oct 1986

06:40 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119448508

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/10/1986**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**06:40:00 घंटे**
इष्ट	00:18:00 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:16:20 घंटे
वेलान्तर	00:16:20 घंटे
साम्पातिक काल	08:48:36 घंटे
सूर्योदय	06:32:47 घंटे
सूर्यास्त	17:41:45 घंटे
दिनमान	11:08:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	12:38:40 तुला
लग्न के अंश	13:25:07 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:25:07	312:15:54	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	12:38:40	00:59:58	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कन्या	00:44:30	13:26:46	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल			मक	18:40:38	00:37:21	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	04:49:00	00:23:56	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		कुंभ	19:26:52	00:01:55	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
शुक्र	व	अ	तुला	22:43:18	00:31:24	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			वृश्चि	14:27:12	00:06:24	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु			मीन	27:11:58	00:01:15	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु			कन्या	27:11:58	00:01:15	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	26:18:27	00:02:53	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	09:55:07	00:01:25	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	13:34:57	00:02:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	16:02:03	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:16

लग्न-चलित

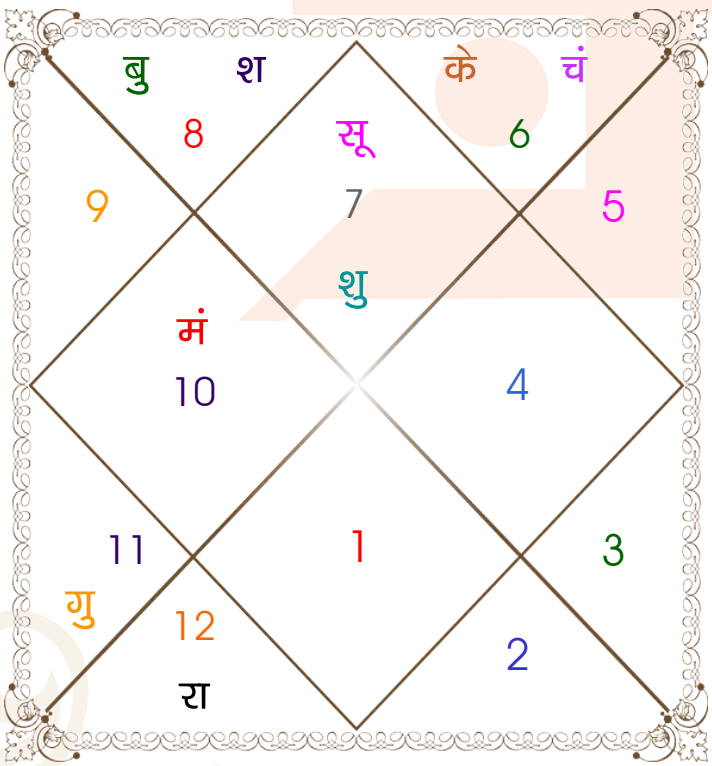

चन्द्र कुंडली

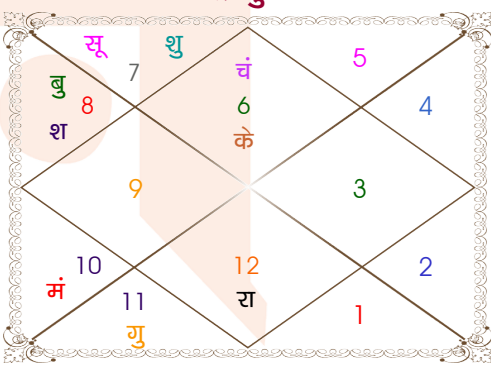

नवमांश कुंडली

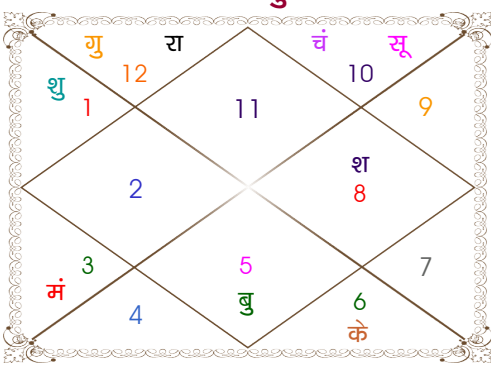

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 1 मास 30 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/10/1986		29/12/1990		29/12/2000		30/12/2007		29/12/2025	
29/12/1990		29/12/2000		30/12/2007		29/12/2025		29/12/2041	
	00/00/0000	चंद्र	30/10/1991	मंगल	27/05/2001	राहु	11/09/2010	गुरु	16/02/2028
	00/00/0000	मंगल	30/05/1992	राहु	15/06/2002	गुरु	04/02/2013	शनि	30/08/2030
	30/10/1986	राहु	29/11/1993	गुरु	22/05/2003	शनि	11/12/2015	बुध	05/12/2032
राहु	17/01/1987	गुरु	31/03/1995	शनि	29/06/2004	बुध	30/06/2018	केतु	11/11/2033
गुरु	05/11/1987	शनि	29/10/1996	बुध	27/06/2005	केतु	18/07/2019	शुक्र	12/07/2036
शनि	17/10/1988	बुध	31/03/1998	केतु	23/11/2005	शुक्र	18/07/2022	सूर्य	30/04/2037
बुध	23/08/1989	केतु	30/10/1998	शुक्र	23/01/2007	सूर्य	12/06/2023	चंद्र	30/08/2038
केतु	29/12/1989	शुक्र	29/06/2000	सूर्य	31/05/2007	चंद्र	11/12/2024	मंगल	06/08/2039
शुक्र	29/12/1990	सूर्य	29/12/2000	चंद्र	30/12/2007	मंगल	29/12/2025	राहु	29/12/2041

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/12/2041		29/12/2060		29/12/2077		29/12/2084		30/12/2104	
29/12/2060		29/12/2077		29/12/2084		30/12/2104		00/00/0000	
शनि	01/01/2045	बुध	28/05/2063	केतु	27/05/2078	शुक्र	29/04/2088	सूर्य	19/04/2105
बुध	11/09/2047	केतु	24/05/2064	शुक्र	28/07/2079	सूर्य	30/04/2089	चंद्र	18/10/2105
केतु	20/10/2048	शुक्र	25/03/2067	सूर्य	02/12/2079	चंद्र	29/12/2090	मंगल	23/02/2106
शुक्र	21/12/2051	सूर्य	29/01/2068	चंद्र	02/07/2080	मंगल	29/02/2092	राहु	31/10/2106
सूर्य	02/12/2052	चंद्र	30/06/2069	मंगल	29/11/2080	राहु	28/02/2095		00/00/0000
चंद्र	03/07/2054	मंगल	27/06/2070	राहु	17/12/2081	गुरु	29/10/2097		00/00/0000
मंगल	12/08/2055	राहु	13/01/2073	गुरु	23/11/2082	शनि	30/12/2100		00/00/0000
राहु	18/06/2058	गुरु	21/04/2075	शनि	02/01/2084	बुध	31/10/2103		00/00/0000
गुरु	29/12/2060	शनि	29/12/2077	बुध	29/12/2084	केतु	30/12/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 1 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।